

संपादकीय

हाथ मिलाना तो बहाना है

राजनीति में हाथ मिलाने और छोड़ने का खेल पुराना है।अभी बिहार में कन्हैया कुमार और पप्पू यादव की अपनी कथित बेइज्जती और मिलन से लेकर झारखंड तक ऐसे खेल हो चुके हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद किसी तरह अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए ठाकरे बंधुओं का हिंदी विरोध इस साल के अंत में होने वाले बीएमसी चुनाव को लेकर है, जो करीब साढ़े चौहत्तर हजार करोड़ रुपए के परिव्यय वाला देश का सबसे बड़ा नगरीय निकाय है। बीस साल में पहली बार उन्होंने मराठी अस्मिता और हिंदी भाषा ‘थोपे’ जाने के मुद्दे पर राजनीतिक मंच साझा किया है। अगर किसी को इस बात पर संदेह हो कि अचानक ये दोनों पार्टियां क्यों तो हाथ मिला रही हैं, तो यह बिल्कुल स्पष्ट ही है।



राज ठाकरे ने 2005 में अपने चचेरे भाई के साथ तीखे मतभेदों के चलते शिवसेना छोड़ दी थी, जिसके बाद उन्होंने मनसे का गठन किया।

मजबूत कर रही भाजपा एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के साथ मिलकर बीएमसी पर कब्जा करना चाहेगी। दूसरी ओर, कांग्रेस को अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़नी होगी। वह राज्य में कोई बड़ी पार्टी नहीं है। विधानसभा चुनाव में उद्भव और राज की अपमानजनक हार के बाद, ये नगर निगम चुनाव उनके लिए पुनरुद्धार की कुछ उम्मीद जगाते हैं। राज ठाकरे ने 2005 में अपने चचेरे भाई के साथ तीखे मतभेदों के चलते शिवसेना छोड़ दी थी, जिसके बाद उन्होंने मनसे का गठन किया। वह मनसे को भूमिपुत्रों के हित के सच्चे हिमायती के रूप में पेश कर रहे थे। लेकिन वह उन लोगों के साथ तालमेल नहीं बिठा पाए, जो उनकी आक्रामक शैली का समर्थन नहीं करते थे, यानी महाराष्ट्र के मराठी भाषी लोग।

आपदा प्रबंधन प्रणाली में बदलाव से क्षमता निर्माण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों में एक प्रमुख वैश्विक प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में उभरा है। वित्तपोषण तंत्र, संस्थागत विकास और क्षमता निर्माण में निवेश का उद्देश्य मापनयोग्य परिणाम प्रदान करना है। भारत की विकसित होती आपदा जोखिम प्रबंधन प्रणाली की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक आपदा-संबंधी मृत्यु दर में कमी है। एक व्यापक दृष्टिकोण वाले गुजरात भूकंप भरणई कार्यक्रम ने देश को आपदा प्रबंधन प्रणाली को बदलने में मदद की बिहतर पूर्व-चेतावनी प्रणालियों, सशक्त संस्थानों, बेहतर योजना और अधिक संवेदनशील वित्तपोषण के संयुक्त प्रभाव से, तीव्र और धीमी शुरुआत वाले, दोनों ही प्रकार के खतरों में मृत्यु दर में लगातार गिरावट देखी गई है। यह आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क के तहत मूल प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिस पर भारत एक हस्ताक्षरकर्ता है। पिछले 25 वर्षों में भारत की आपदा प्रबंधन नीति और कार्यप्रणाली का विकास की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ‘विकसित भारत’ के विजन ने इसे प्रेरित किया। पिछले दो-तीन दशकों में भारत की आपदा प्रबंधन नीतियां और कार्यप्रणाली कैसे विकसित हुई हैं। आपदा जोखिम प्रबंधन की कार्यप्रणाली में कई बदलाव आए हैं। 1991 के ओडिशा सुपर साइक्लोन, 2001 के गुजरात भूकंप और 2004 के हिंद महासागर में आई सुनामी से कई सीख मिली। 1993 का लातूर भूकंप और 2005 का कश्मीर भूकंप जैसी अन्य घटनाएं भी हुईं। इसके अलावा, वैश्विक नीति प्रक्रियाओं जैसे कि प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक (आईडीएनडीआर) 1990-1999, ह्योगो फ्रेमवर्क फॉर एक्शन (एचएफए) 2000-2015 और सेंडाई फ्रेमवर्क 2015-2030 ने हमारी सोच और व्यवहार को बहुत प्रभावित किया है। व्यापक प्रत्युत्तर और पुनर्निर्माण, तथा दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य के महत्वपूर्ण मोर्चे पर, कानूनी ढांचे, नियामक सुधारों, प्रशिक्षण और ज्ञान नेटवर्क, भवन नियामन और खतरा प्रतिरोधी निर्माण के माध्यम से आपदा प्रबंधन को संस्थागत बनाने के लिए प्रभावी और निर्णायक कदम उठाए गए। गुजरात पहल के तहत गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जीएसडीएमए) द्वारा विविध गतिविधियां गईं, जो प्रत्युत्तर और राहत से कहीं आगे बढ़कर, भूकंप पुनर्निर्माण कार्य, नीतियों और कानूनों का निर्माण; आपदा प्रबंधन योजनाओं की तैयारी; क्षमता निर्माण; शमन उपाय; और जागरूकता एवं सामुदायिक शामिल थी। आपदा जोखिम और वित्तपोषण की बात करें तो नए वित्तपोषण ढांचे का एक सबसे महत्वपूर्ण वैचारिक योगदान यह मान्यता है कि आपदा प्रबंधन में विभेदित किन्तु परस्पर निर्भर कार्य शामिल हैं - प्रत्युत्तर और राहत, भरणई और पुनर्निर्माण, तैयारी और शमन। हाल के दिनों में आपदा प्रबंधन में भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धियों की बात करें तो चक्रवात



से संबंधित मृत्यु दर में नाटकीय कमी; राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर बड़ी हुई प्रत्युत्तर क्षमता; प्रौद्योगिकी के माध्यम से त्वरित और पारदर्शी राहत वितरण; आपदा के बाद सामाजिक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा; बेहतर क्षति आकलन और सुदृढ़ भरणई; और वैश्विक आपदा सहायता तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) में नेतृत्व बढ़ी उपलब्धियां हैं। आज भारत का आपदा प्रबंधन विकास एक व्यवस्थित और एकीकृत दृष्टिकोण को दर्शाता है - जिसमें प्रौद्योगिकी, संस्थागत क्षमता, सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक सुरक्षा को सहजोजन शामिल है। ये उपलब्धियां भारत को न केवल एक क्षेत्रीय अग्रणी के रूप में, बल्कि आपदा जोखिम प्रबंधन में एक वैश्विक तौर पर सर्वोत्तम मॉडल के रूप में भी स्थापित करती हैं।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों में एक प्रमुख वैश्विक प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में उभरा है

सक्रिय, पुनरावृत्त और कार्य-उन्मुख दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जहां प्रत्येक सुधार दूसरे को मजबूत करे, और जहां सभी घटक संसाधनों, सुरक्षा और अवसरों तक लोगों की पहुंच में सुधार के लिए एक साथ आएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) कार्यों में एक प्रमुख वैश्विक प्रत्युत्तरकर्ता के रूप में उभरा है, जो संकट के समय क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय एकजुटता के प्रति उसकी बढ़ती प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अपने प्रशिक्षित और सुसज्जित राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और सशस्त्र बलों के माध्यम से, भारत ने नेपाल (2015 भूकंप), तुर्की (2023 भूकंप) और म्यांमार (2025 भूकंप) जैसे देशों को समय पर आपदा प्रत्युत्तर सहायता प्रदान की है। भारत के नेतृत्व में संस्थागत नवाचार का एक आशाजनक उदाहरण आपदा रोधी इन्फ्रास्ट्रक्चर गठबंधन (सीडीआरआई) है, जो वैश्विक स्तर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रणालियों में अनुकूलन को बढ़ावा देने के लिए स्थापित एक बहुपक्षीय मंच है। भारत द्वारा परिकल्पित और संचालित, सीडीआरआई विशिष्ट संस्थानों की एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है, जो एक केंद्रित क्षेत्र - अनुकूल इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े समाधान के माध्यम से वैश्विक सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

रुपहले पदों की साजिश

बॉलीवुड में सनातन धर्म के विरुद्ध विमर्श और सांस्कृतिक आक्रमण

भारत एक ऐसी भूमि है जो वेदों, उपनिषदों, पुराणों और रामायण-महाभारत जैसे महाकाव्यों की विरासत से समृद्ध है। यहां की कला, संस्कृति और धर्म हजारों वर्षों से जनमानस का मार्गदर्शन करते रहे हैं। नाट्यशास्त्र के अनुसार, कला और नाट्य का उद्देश्य लोक शिक्षण, सामाजिक चेतना और आत्मकल्याण है। लेकिन जब यही माध्यम विकृत हो जाए, तो वह विनाशकारी बन जाता है। आज भारतीय फिल्म जगत, विशेषकर हिंदी सिनेमा यानी बॉलीवुड, एक ऐसा मंच बन गया है जहां एक विशेष विचारधारा, एक विशेष संप्रदाय और एक सुनियोजित सांस्कृतिक युद्ध के तहत सनातन धर्म को अपमानित करने का क्रम लगातार चलाता रहा है। यह आलेख इसी विशर्श का विश्लेषण करता है, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वर्तमान दृष्टिकोणों से। भरत मुनि के नाट्यशास्त्र में कहा गया है, “नाट्यं भिन्नरचुरचरनस्य मनोरंजनम्” अर्थात् नाटक (या कला) का कार्य है सभी प्रकार के जनों का मनोरंजन, मार्गदर्शन और शिक्षण करना है। नाट्यशास्त्र में नाट्य को “पंचम वेद” कहा गया है, जिसका आधार धर्म, नीति, लोक मंगल और चरित्र निर्माण है। किन्तु जब यह कला बाजारवाद, राजनैतिक हित और धार्मिक दुर्गग्रह के हाथों की कठपुतली बन जाए, तो यह अपने स्वरूप को खो देती है। हिंदी सिनेमा में



डॉ. दीपक प्रसाद

सांस्कृतिक शोधकर्ता, रंगकर्मी, निर्देशक एवं सहायक आचार्य

अनेक वर्षों से यह देखा गया है कि हिंदू पात्रों को या तो कमजोर, दब्यु, पिछड़े या नकारात्मक भूमिका में दिखाया जाता है। “राम”, “श्याम”, “गणेश”, “मुकुंद”, “गुप्ता” जैसे नामों को अवसर घरेलू नौकर, चपरासी, या हास्य पात्रों के लिए प्रयुक्त किया गया। जबकि अन्य धर्मों के पात्र जैसे “अब्दुल”, “रहमान”, “जान मोहम्मद” या “पादरी जॉन” को विद्वान, त्यागी, साहसी और सहृदय के रूप में दिखाया गया। हिंदू पात्रों को अक्सर ताबीज, जनेऊ, टीका, गेरुआ वस्त्र आदि में अतिरिक्त, रुढ़िवादी और क्रूर बताया जाता है। इसके विपरीत किसी अन्य संप्रदाय के पात्रों को गौरवपूर्ण और आधुनिकता से जोड़ा जाता रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राजा सिंह के इस्तीफे के बाद

रॉबिनहुड की तलाश में बैठी भाजपा

संरसरी तौर पर झारखंड और तेलंगाना की राजनीति में कोई सीधा संबंध नहीं है। इन दोनों प्रदेशों की राजनीति अपने अपने शतों पर चलती है फिर भी झारखंड के सुरुवर्ती चौपालों में इन दिनों तेलंगाना ट्रेंड कर रहा है। यह मामला भाजपा से इस्तीफा देकर चर्चा में आए तेलंगाना के विधायक टी.राजा सिंह से संबंधित है। जैसे तो देश के सभी प्रांतों में दलबदल या इस्तीफे के खेल चलते ही रहते हैं और इसमें कुछ भी अनुठापन नहीं है फिर भी टी.राजा सिंह के द्वारा दिया गया इस्तीफा काफी चर्चा में है। ऐसा इसलिए कि इस इस्तीफे की इनसाइड स्टोरी काफी दिलचस्प है। बताते चलें कि विभिन्न कारणों से टी.राजा सिंह की छवि एक दबंग, मुखर व कट्टर हिन्दुवादी नेता की रही है। ये वही राजा हैं जो अपने विवादित बयानों और मुस्लिम समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के लिए जाने जाते हैं। ऐसी टिप्पणियों के कारण कई बार उनपर कानूनी कार्रवाइयां तक हो चुकी है और बार बार अपने ही दल व दलीय आलाकमान को असहज स्थिति में लाकर खड़ा कर देने का आरोप भी लगा है। ऐसे आरोप तब दिखाई पड़ते हैं जबकि भाग्य को हमेशा जन्म नक्षत्र प्रभावित करता रहता है। इस दृष्टि से देखें तो तमाम विपरित परिस्थितियों के बावजूद टी.राजा तेलंगाना में उस भाजपा के एक प्रमुख चेहरा बने रहे जिसे दक्षिण भारत के संघर्ष का प्रमुख योद्धा और दल के लिए मजबूरी तक माना गया। दूसरी ओर, अपने धुर दक्षिणपंथी व हिन्दुवादी प्रारब्ध के विपरित भाजपा का शीर्ष नेतृत्व आज अपने कट्टर हिन्दुवादी अवधारणा के विरुद्ध समावेशी समाजवाद के प्रति खुद को स्थापित करने में लगा हुआ है। संदर्भवश एक सहज सा सूत्र यह है कि किसी का भी

प्रारब्ध उसके अतीत के कर्मों और परिणाम में नजर आता ही है। शायद टी.राजा सिंह को यही बात समझ में नहीं आई कि प्रारब्ध के इस गुणसूत्र के बावजूद भाजपा आज खुद को बदलने में लगी हुई है और इस चक्कर में प्रखर हिन्दुवाद के प्रतीक बने राजा सिंह से किनारा करने की स्थिति का निर्माण किया जा रहा है ताकि हिन्दुत्व के नाम पर कट्टरता दिखाने वाले लोगों को एक कड़ा संदेश दिया जा सके। बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम की इनसाइड स्टोरी पर से शायद ही कभी पर्दा उठे परन्तु जो कुछ सामने आ रहा है। बताया तो यह जा रहा है कि यह सबकुछ तेलंगाना भाजपा के नये प्रदेश अध्यक्ष के तौर पर एन.रामचंद्र राव की ताजपोशी का परिणाम है। वस्तुतः यह पूर्ण सत्य नहीं है क्योंकि यह महज इस्तीफे की वजह, नये प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव, राजा सिंह के विवादित बोल, भविष्य के लिए उनकी योजना और भाजपा के लिए नफा नुकसान तक सिमटा हुआ नहीं है। यदि यह इतना भर होता तो इस इस्तीफे के कारण हैदराबाद से सैकड़ों किलोमीटर दूर झारखंड के चौपालों का बाजार गर्म नहीं होता और झारखंड की तासीर में रचे बसे टाईगर, रॉबिनहुड और शेर की अवधारणा को उद्भ्रमित न कर रहा होता। जानकारों की मानें तो झारखंड वह प्रदेश है जहाँ विकास की गंगोत्री को धरती में उतारने वाले सुशिक्षित, ईमानदार, दलीय, सरल व नामचीन उम्मीदवारों पर बिजली की एक ट्रॉसफार्म, एक छोटी सी नाली या किसी छोटी मोटी बात के लिए हुंकार भरनेवाला रॉबिनहुड भारी पड़ता रहा है। ऐसे में चौपालों की मानें तो गत चुनावों में भाजपा के पिछड़ जाने का एक राज यह भी है कि इसके पास टाईगर, शेर, रॉबिनहुड या टी.राजा सिंह जैसे उम्मीदवारों का टोटा पड़ा हुआ है। अब राजा सिंह का झारखंड से कोई सीधा संबंध हो न हो, इस शख्सियत के इस्तीफे के बाद यहां स्थानीय नेताओं की छवि को लेकर निरंतर सवाल उठ रहे हैं और गंभीरता के साथ चौपालों में इसकी चर्चा भी हो रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)



फेसबुक वॉल से



एक्स से



आज का दोहा

कूंआ, पनघट, बावड़ी, बात, बतकही, राज।

दबे, छिपे, उघड़े कभी, दपन हुए सब आज।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए

आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com

कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

विज्ञान के हाथों गुम होती हमारी

कला साहित्य की आत्मा

आधुनिक शिक्षा के खोखलेपन और हमारे भीतर की सुखी जमीन पर एक गहन दृष्टि, आधुनिक शिक्षा व्यवस्था ने हमें तेज़ सोचने वाले लोग बनाए हैं, लेकिन साथ ही भावनाओं से दूर भी कर दिया है। हम तेजी से निर्णय लेते हैं, तकनीकी समस्याओं को हल कर लेते हैं, लेकिन धीरे-धीरे हम यह भूल गए हैं कि इंसान सिर्फ मस्तिष्क नहीं, एक संपूर्ण चेतना है — जिसमें सोचने, महसूस करने और जुड़ने की शक्ति साथ-साथ चलती है। हमने विज्ञान और तकनीक को ज्ञान का शिखर मान लिया और साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र, अध्यात्म — इन सभी विषयों को धीरे-धीरे अपने पाठ्यक्रम और अपने जीवन से हटा दिया। यह समझ गया कि ये विषय “करियर बनाने लायक” नहीं हैं, और इस सोच ने आने वाली पीढ़ियों से वह संवेदना, गहराई और आत्मदर्शन छीन लिया जो मनुष्य को केवल जीवित नहीं रखती, बल्कि समझदार, संतुलित और मनुष्यता से भरपूर बनाती है। जहाँ पहले शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी नहीं, व्यक्तित्व का निर्माण था, वहाँ अब सिर्फ अंक, स्कोर और पैकेज ही शिक्षा का मूल्य बन चुके हैं। नैतिकता, करुणा, जीवन के अर्थ की खोज, संतुलन, आत्म-ज्ञान — ये सब बातें अब पुरानी किताबों के साथ बंद अलमारियों में रह गई हैं। टेक्नोलॉजी ने हमारी दुनिया को आसान बना दिया, लेकिन उसी ने हमें उस जमीन से काट दिया जिस पर मनुष्य के मूल्य टिके होते हैं। हम स्क्रीन पर सब कुछ देख सकते हैं, पर दूसरे के दुख को महसूस नहीं कर पाते।

हम हजारों लोगों से जुड़ सकते हैं, पर अकेलेपन से निकल नहीं पाते। हमारे बच्चे मशीनों की भाषा सीख रहे हैं, लेकिन खुद से संवाद करना भूल रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब हम सब एक दूसरे के बीच होंगे, लेकिन कोई किसी को सुनने वाला नहीं होगा। विज्ञान और पूंजीवाद की जोड़ी ने प्रगति को सुविधा तक सीमित कर दिया है। प्रकृति, पर्यावरण, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संतुलन सब कुछ बाजार के लिए कम मायने रखता है। इसलिए हमने देखा कि कैसे वैज्ञानिक उन्नति ने ही सबसे भयानक युद्ध और बर्मा को जन्म दिया। कैसे मशीनों ने हमें सुलभता दी, लेकिन उसी ने मानवीय श्रम, संवाद और संबंधों को खत्म कर दिया। हम यह स्वीकार नहीं करना चाहते कि हमने तकनीक को साधन के बजाय अपने जीवन का मूल बनाना

शुरू कर दिया है।

हम भूल चुके हैं कि तकनीक जीवन का सहायक हो सकती है, लेकिन वह जीवन का मार्गदर्शक नहीं हो सकती।

और यह सब बदलाव केवल भौतिक नहीं, मानसिक और आध्यात्मिक भी है।

हमारे भीतर जो मौन था, जहाँ विचारों से ऊपर अनुभूति का स्थान होता था, वह धीरे-धीरे अस्तित्वहीन होता जा रहा है।

हमने ध्यान, एकाग्रता, और आत्मा की खोज को अवैज्ञानिक कहकर त्याग दिया,

जबकि वही तत्व थे जो हमें भीतर से जोड़ते थे, संतुलित रखते थे।

आज जब हमारे पास हर प्रकार की सुविधा है, तब भी हम बेचैन हैं।

हमारे पास उत्तर तो हैं, लेकिन प्रश्न करने की क्षमता नहीं बची।

हमारे पास उपकरण हैं, लेकिन उनका उपयोग सिर्फ उत्पादकता बढ़ाने तक सीमित है शांति या आत्मा के लिए नहीं।

हमें यह समझना होगा कि अगर विज्ञान को विवेक नहीं मिलेगा, अगर तकनीक को करुणा नहीं मिलेगी, अगर शिक्षा को आत्मा से नहीं जोड़ा गया तो आने वाला समय और भी अधिक यांत्रिक और खोखला होगा।

अब हमें फिर से एक संतुलित शिक्षा की आवश्यकता है जिसमें विज्ञान और तकनीक के साथ-साथ दर्शन, साहित्य, कला और आध्यात्मिक समझ को बराबर स्थान दिया जाए।

जहाँ बच्चे सिर्फ रोबोट नहीं बनें, बल्कि वह भी समझें कि एक इंसान होना क्या होता है भावनाएं क्या होती हैं और उसे सही से जीना कैसे है।

हमें फिर से एक ऐसी दुनिया बनानी है जहाँ मस्तिष्क की गति के साथ हृदय की गहराई भी हो।

जहां सुविधाएं हों, लेकिन संवेदनाएं उससे बड़ी हों। जहाँ प्रगति हो, लेकिन वह मनुष्य की आत्मा के साथ हो, उसके विरुद्ध नहीं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)



राष्ट्रीय नवीन मेल

राज्यों से

डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार, 11 जुलाई 2025
09

सावन विशेष : शिवनगरी काशी में बसा है मार्कण्डेय महादेव मंदिर...

वाराणसी। हिंदू धर्म में सावन मास का विशेष महत्व है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि समाप्त होने के साथ 11 जुलाई को श्रावण मास आरंभ हो जाएगा। ऐसे में शिवनगरी काशी में श्रद्धालुओं की भीड़ जुदनी शुरू हो चुकी है। काशी में कई मंदिर हैं जो विश्व के नाथ और उनके भक्तों के बीच की सुंदर कथा से जुड़े हैं। ऐसा ही एक मंदिर है गंगा-गोमती के पवित्र संगम तट पर बसा मार्कण्डेय महादेव का मंदिर। साल भर इस मंदिर में हर हर महादेव' और 'ओम नमः शिवाय' की गूंज सुनाई देती है। सावन माह में तो मानो तिल तक रखने की जगह नहीं होती है। कैथी गांव के पास स्थित मंदिर के पास सावन की शुरुआत के साथ मेला भी शुरू हो जाएगा। इस मंदिर की सबसे खास बात है कि यहां काल या यम के देवता यमराज भी पराजित हो गए थे। मार्कण्डेय महादेव मंदिर की पौराणिक कथा भक्तों में गहरी आस्था जगाती है। धार्मिक कथा के अनुसार, ऋषि मुकुण्ड के पुत्र मार्कण्डेय को जन्म दोष था, जिसके अनुसार पृथ्वी पर उनकी आयु मात्र 14 वर्ष थी। उनके माता-पिता ने गंगा-गोमती तट पर बालू से शिवलिंग बनाकर भगवान शिव की कठोर तपस्या की। जब मार्कण्डेय 14 वर्ष के हुए और

यमराज उनके प्राण लेने आए, तब भोलोनाथ स्वयं प्रकट हुए। शिव ने यमराज को लौटने का आदेश दिया और कहा, "मेरा भक्त सदा अमर रहेगा और उसकी पूजा मुझसे पहले होगी।"तभी से यह स्थल मार्कण्डेय महादेव मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हो गया। सावन में इस मंदिर का महत्व और बढ़ जाता है। यहां त्रयोदशी (तेरस) के दिन विशेष पूजा होती है, जहां भक्त पुत्र प्राप्ति और पति की लंबी आयु की कामना करते हैं। महामृत्युंजय जाप, शिवपुराण, रुद्राभिषेक और सत्यनारायण कथा का आयोजन भी होता है। महाशिवरात्रि पर दो दिनों तक अनवरत जलाभिषेक की परंपरा है।धार्मिक मान्यता है कि बेलपत्र पर महादेव के आराध्य श्रीराम का नाम लिखकर अर्पित करने से संतान की आयु लंबी होती है और यम का त्रास भी नहीं रहता। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी इस प्राचीन मंदिर का उल्लेख मिलता है, जिसके अनुसार, मार्कण्डेय महादेव मंदिर शिव की असीम कृपा का प्रतीक है। मार्कण्डेय ऋषि ने अपनी भक्ति से शिवलिंग स्थापित कर अमरता का वरदान प्राप्त किया था। सावन में कांठड़ियों की भीड़ से काशी की यह शिवनगरी और जीवंत हो उठती है।

मार्कण्डेय महादेव मंदिर: जहां स्वयं शिव ने यमराज को भी किया पराजित

इस मंदिर की सबसे खास बात है कि यहां काल या यम के देवता यमराज भी पराजित हो गए थे। मार्कण्डेय महादेव मंदिर की पौराणिक कथा भक्तों में गहरी आस्था जगाती है। धार्मिक कथा के अनुसार, ऋषि मुकुण्ड के पुत्र मार्कण्डेय को जन्म दोष था, जिसके अनुसार पृथ्वी पर उनकी आयु मात्र 14 वर्ष थी। उनके माता-पिता ने गंगा-गोमती तट पर बालू से शिवलिंग बनाकर भगवान शिव की कठोर तपस्या की। जब मार्कण्डेय 14 वर्ष के हुए और यमराज उनके प्राण लेने आए, तब भोलोनाथ स्वयं प्रकट हुए। शिव ने यमराज को लौटने का

आदेश दिया और कहा, "मेरा भक्त सदा अमर रहेगा और उसकी पूजा मुझसे पहले होगी।" तभी से यह स्थल मार्कण्डेय महादेव मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हो गया। सावन में इस मंदिर का महत्व और बढ़ जाता है। यहां त्रयोदशी (तेरस) के दिन विशेष पूजा होती है, जहां भक्त पुत्र प्राप्ति और पति की लंबी आयु की कामना करते हैं। महामृत्युंजय जाप, शिवपुराण, रुद्राभिषेक और सत्यनारायण कथा का आयोजन भी होता है। महाशिवरात्रि पर दो दिनों तक अनवरत जलाभिषेक की परंपरा है।

बिहार मतदाता सूची संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट का आदेश

आधार, वोटरकार्ड, राशन कार्ड को भी वैध दस्तावेजों के रूप में शामिल करें

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर तीखे सवाल उठाए और चुनाव आयोग से आग्रह किया कि वह चल रहे अभियान के तहत मतदाता गुणन के लिए आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और राशन कार्ड को वैध दस्तावेजों के रूप में शामिल करने पर विचार करे। अदालत एसआईआर के समय और तरीके को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर विचार करने के लिए सहमत हो गई है, जिसकी अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। चुनाव आयोग को अपना जवाब दाखिल करने के लिए 21 जुलाई तक का समय दिया गया है। अभी तक कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति सुषांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने चुनाव से कुछ महीने पहले संशोधन शुरू करने के चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाया और कहा कि यह कदम “लोकतंत्र और वोट देने की शक्ति की जड़ पर हमला करता है। न्यायमूर्ति धूलिया ने चुनाव के करीब मतदाता सूची में संशोधन के संभावित प्रभावों की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि आपको बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के तहत नागरिकता की जांच करनी है, तो आपको पहले ही कार्रवाई करने चाहिए थी; इसमें थोड़ी देर हो गई है। हालाँकि, न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं - जिनमें विपक्षी नेता और नागरिक समाज समूह शामिल हैं - को इस दलील को खारिज कर दिया कि चुनाव आयोग



के पास इस तरह का संशोधन करने का अधिकार नहीं है। पीठ ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन करना चुनाव आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इस बात पर जोर दिया कि बिहार में पिछली बार ऐसा 2003 में किया गया था। सुनवाई के दौरान, चुनाव आयोग ने एसआईआर का बचाव करते हुए कहा कि पात्र मतदाताओं को जोड़कर और अपात्र मतदाताओं को हटाकर मतदाता सूची की अखंडता बनाए रखना आवश्यक है। आयोग ने दोहराया कि आधार नागरिकता का वैध प्रमाण नहीं है, और कहा कि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार केवल भारतीय नागरिक ही मतदान के हकदार हैं। चुनाव आयोग की ओर से वरिष्ठ वकील द्विवेदी ने चुनाव किया, “अगर चुनाव आयोग के पास मतदाता सूची में संशोधन करने का अधिकार नहीं है, तो फिर किसके पास है?

आज का राशिफल

मेघ : कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। जमीन यादवद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपये पैसों की सुविधा मिल जाएगी। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि व खर्चा बढ़ेगा।

वृष : बन्ते हुए कार्यों में बाधा आएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम निलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक इक्षताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बहाली से भी मुक्ति मिलाने लगे।

मिथुन : बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। जानाजिन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कर्क : खान-पान में सावधानी रखें। शत्रुभाव, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

सिंह : महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सफलता मिलता चल जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

कन्या : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानी पूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। कोई धार्मिक यात्रा करेंगे।

तुला : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवसायक स्थितियां आज पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बन्ते नज़र आएंगे। सभा-समासयटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिभा बढने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

वृश्चिक : कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनंद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

धनु : स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। प्रियजनों से समगमन का अवसर मिलेगा। अवच्छद कार्य संपन्न हो जाएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशं और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं।

मकर : सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होगा। धार्मिक आस्थाएं पलभीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। साद्व्ययता से अल्प लाभ का हर्ष होगा।

कुंभ : दिन-भर का माौलौल अडिबर्पूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। स्थगित भाषा का इस्तेमाल करेंगे। कुछ संकल्प बदलने होंगे। आगे में आकर किये गए कार्यों का मलान, अवसाद रहेगा। भाई-बहनों का प्रेत बनेगा। आध्यात्मिक रुचि बढेगी।

मीन : अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यवसायिक असुरद्वय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। उका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

कराईकल अम्माइयार का भव्य मंगनी उत्सव

भक्तों ने परंपरा और आस्था के साथ किए भगवान शिव के दर्शन

एजेंसी। कराईकल

पुडुचेरी के कराईकल जिला स्थित प्रसिद्ध कराईकल अम्माइयार मंदिर में 8 जुलाई से शुरू हुए भव्य ‘मंगनी उत्सव’ का आयोजन चल रहा है। इस अनूठे और आध्यात्मिक उत्सव को देखने के लिए गुरुवार को तमिलनाडु और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। उत्सव के चलते गुरुवार को कराईकल जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। 63 नयनमार संतों में से एक और कुछ महिला संतों में शामिल कराईकल अम्माइयार को भगवान शिव ने ‘अम्मेयें’ कहकर वरदान दिया था। उनके लिए हर साल मंगनी उत्सव मनाया जाता है। इस साल यह उत्सव 8 जुलाई से शुरू हुआ है, जो 11 जुलाई तक चलेगा। भव्य मंगनी उत्सव के माध्यम से ‘अम्मेयें’ के जीवन का हर साल स्मरण किया जाता



है। उत्सव की शुरुआत दो दिन पहले दूल्हे को पारंपरिक निमंत्रण के साथ हुई, जो दिव्य विवाह का प्रतीक है। इसके बाद करैक्कल अम्मायार और परमदत्त चैट्टियार के प्रतीकात्मक विवाह हुए। पुजारियों ने वैदिक मंत्रों के साथ धार्मिक आयोजन संपन्न किया और भक्तों को पवित्र अक्षत प्रसाद स्वरूप वितरित किए।

कराईकल अम्माइयार के भव्य ‘मंगनी उत्सव’ का मुख्य आकर्षण है भगवान शिव का पिचादनार (भिक्षुक रूप) में आमवाद्यार के घर भोजन मांगने का दृश्य। जैसे ही भगवान की शोभायात्रा सड़कों से गुज़री, भक्तों ने अपनी मन्त्रें पूरी होने की कामना के साथ आम चढ़ाए।

कर्नाटक: विधायक एसएन सुब्बा रेड्डी पर ईडी का शिकंजा, बेंगलुरु में 5 ठिकानों पर छापेमारी

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कर्नाटक के विधायक एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों के खिलाफ विदेशी संपत्तियों को कथित तौर पर छुपाने को लेकर जांच शुरू कर दी है। फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट (एफ्झेएमए) की धारा 37 के तहत ईडी ने बेंगलुरु के 5 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। विधायक सुब्बा रेड्डी के आवास, उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठान और करीबी सहयोगियों के ठिकानों पर ईडी तलाशी अभियान चला रही है। यह छापेमारी कथित तौर पर उनके और उनके परिवार के सदस्यों द्वारा विदेशों में अघोषित संपत्ति रखने और अवैध निवेश के आरोपों के आधार पर की जा रही है। ईडी के मुताबिक, एसएन सुब्बा रेड्डी और उनके परिजनों पर विदेशी खातों में भारी राशि जमा कराने समेत मलेशिया, हांगकांग और जर्मनी में अचल संपत्तियों में निवेश करने के आरोप हैं।

चुनाव आयोग प्रजातंत्र को खत्म करने में लगा है : प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई। बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान पर शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने आपत्ति जताई है। उन्होंने दावा किया है कि चुनाव आयोग प्रजातंत्र को खत्म करने के लिए भाजपा का सहयोग कर रहा है। गुरुवार को आईएनएस से बाचचीत के दौरान शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि मतदाता सत्यापन के लिए जरूरी दस्तावेजों से आधार कार्ड को बाहर रखने का एक षड्यंत्र चुनाव आयोग की ओर से रचा जा रहा है ताकि गरीबों और वंचितों को वोटर लिस्ट से बाहर किया जाए और अपने हिसाब से नए वोटर को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से चुनाव आयोग संविधान की धञ्जियां उड़ा रहा है और प्रजातंत्र को खत्म करने में जिस प्रकार से भाजपा को सहयोग दे रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। आयोग ने जो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान किया, अब उस चीज को बिहार में दोहराया जा रहा है।

कैंटीन में मारपीट पर विधायक संजय गायकवाड़ की सफाई

मेरा इरादा सही था, लेकिन तरीका गलत

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने मुंबई के एक कैंटीन में खराब खाना मिलने पर कर्मचारी को ही थपड़ मार दिया था, जिस पर अब उन्होंने अपनी सफाई दी। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएनएस से बातचीत में कहा कि उनका इरादा सही था, लेकिन तरीका गलत था। उन्होंने बताया कि पिछले कई साल से होटल में गंदगी और खराब खाने की शिकायतें थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे होटल मालिकों का हौसला बढ गया था। उन्होंने कहा, “मैं बाहर का खाना नहीं खाता, लेकिन इस होटल में खाने के बाद मुझे स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हुई। खाना खराब था, जिससे मेरा गुस्सा भड़क गया। मेरी



प्रतिक्रिया गलत थी, लेकिन मकसद सही था।” उन्होंने दावा किया कि उनकी कार्रवाई के बाद 95 फीसदी लोग इसे सही मान रहे हैं। उनकी इस पहल से महाराष्ट्र भर के होटल मालिकों ने अपने प्रतिष्ठानों की सफाई शुरू कर दी है। उन्होंने सरकार से मांग की कि होटल में काम करने वाले कर्मचारियों के लिए बीमा, पहचान पत्र और हर तीन महीने में मेडिकल जांच अनिवार्य हो। साथ ही, होटलों में साफ-सफाई

बिहार चुनाव के पहले खुद को बेहतर साबित करने की होड़

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) मतदाताओं को लुभाने में जुट गए हैं। दोनों पार्टियां पोस्टरों के जरिए खुद को एक-दूसरे से बेहतर बता रही हैं। बिहार की राजधानी पटना की कई सड़कों पर लगे इन पोस्टरों में दोनों दलों के अपने-अपने दावे दिख रहे हैं। राजधानी पटना में राजद और जदयू की ओर से पोस्टर लगाए गए हैं। राजद के पोस्टरों में महागठबंधन की 17 महीने की सरकार के कामों का श्रेय लिया गया है, जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में जदयू और राजद की सरकार थी। दूसरी ओर, जदयू के पोस्टरों में नीतीश सरकार की तारीफ की गई है और नारों के जरिए खुद को दूसरों से बेहतर बताने की कोशिश की गई है। साथ ही, फिर से एनडीए सरकार बनाने की बात कही गई है। मजेदार बात यह है कि दोनों दलों के पोस्टर पटना की सड़कों पर कई जगहों पर पास-पास ही लगे हैं।

धर्मांतरण रैकेट

40 अकाउंट में 106 करोड़ रुपए ! ताबिज बेचने वाले छांगुर बाबा के काले साम्राज्य की कहानी

बुलडोजर कार्रवाई के बाद अब कसता जा रहा ईडी का शिकंजा

- छांगुर बाबा को बलरामपुर में पकड़े गए धर्मांतरण नेटवर्क से जोड़कर देखा जा रहा है**
- एजेंसी। आजमगढ़**

छांगुर बाबा की संपत्तियों पर उत्तर प्रदेश प्रशासन की कार्रवाई लगातार तीसरे दिन भी जारी है। वह कथित तौर पर एक धर्मांतरण गिरोह का सरगना है और उसे उत्तर प्रदेश एटीएस ने गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धर्मांतरण रैकेट के कथित सरगना छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन की



गिरफ्तारी को लेकर एक अक्षम बयान दिया है। योगी ने अस्सामाजिक और राष्ट्रविरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। आजमगढ़ में 'एक पेड़ मां

के नाम' के तहत एक मेगा अभियान को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि हमने बलरामपुर में एक जल्लाद को गिरफ्तार किया, जो हिंदू बहन-बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़

करता था। उन्होंने सौफ तौर पर कहा कि हम समाज को टूटने नहीं देंगे और राष्ट्र-विरोधी, असाधक तत्वों को भी नष्ट करेंगे, साथ ही धरती माता की रक्षा भी करेंगे। धर्मांतरण गिरोह का

सरगना छांगुर बाबा कभी साइकिल पर अंगूरियाँ और ताबीज बेचा करता था। बाद में वे ग्राम प्रधान बन गए। अब तक मिले दस्तावेजों के आधार पर, यह पुष्टि हुई है कि उनके 40 अलग-अलग खातों में 106 करोड़ रुपये जमा हुए हैं। जाँच के अनुसार, यह सारा पैसा मध्य पूर्व के इस्लामी देशों से आया है। उत्तर प्रदेश के रेहड़ा माफ़ी गाँव के रहने वाले छांगुर बाबा का पूरा साम्राज्य नेपाल की सीमा से लगे बलरामपुर ज़िले के उत्तरीला क्षेत्र में है। उन्हें एक बार अपने पैतृक गाँव का प्रधान भी नियुक्त किया गया था।

कम से कम दो करोड़ों की संपत्तियाँ हैं। छांगुर बाबा को उसकी करीबी सहयोगी नीतु उर्फ नसरीन के साथ शनिवार को लेखनऊ के एक होटल से उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में हाल ही में पकड़े गए धर्मांतरण रैकेट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। तब से, जमालुद्दीन पर शिकंजा कसता जा रहा है। अतिरिक्त महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) अमिताभ यश ने कहा कि आरोपी एक विशाल नेटवर्क चलाता था जो कथित तौर पर जाति-आधारित धर्मांतरण रैकेटों के साथ एक विशेष धार्मिक प्रुष्टभूमि की लड़कियों को निशाना बनाता था।



खामेनेई के सलाहकार की ट्रंप को ड्रोन हमले की धमकी, कहा-

धूप सेंकते समय माइक्रो-ड्रोन पेट पर गिर सकता है, ट्रंप बोले- धूप सेकना पंसद नहीं

वॉशिंगटन/ तेहरान । एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मोहम्मद-जवाद लारीजानी ने 8 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर ड्रोन हमले की चेतावनी दी। लारीजानी ने एक टी.वी. चर्चा के दौरान हंसते हुए कहा- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने मार-ए-लागो रिसॉर्ट में धूप सेंकते समय एक माइक्रो-ड्रोन निशाना बना सकता है। उन्होंने कहा- वहीं, ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस में इस बारे में पूछे जाने पर कहा- मुझे धूप सेकना पंसद नहीं, शायद आखिरी बार मैंने 7 साल की उम्र में धूप में बैठा था। ट्रंप बोले वो इस बयान को बड़े खतरे के तौर पर नहीं देखते।

ईरानी सलाहकार की ट्रंप को ड्रोन हमले की चेतावनी

● अयातुल्लाह खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार मोहम्मद-जवाद लारीजानी का विवादित बयान

● 8 जुलाई को एक टीवी चर्चा के दौरान दी गई धमकी

● ट्रंप को उनके रिसॉर्ट में माइक्रो-ड्रोन से निशाना बनाने की बात

● लारीजानी ने बयान के दौरान हंसी भी उड़ाई

डोनाल्ड ट्रंप बोले- मुझे धूप सेंकना पसंद नहीं

● ट्रंप ने बयान को हल्के में लिया, नहीं मानी कोई बड़ी धमकी

● कहा – “शायद आखिरी बार 7 साल की उम्र में धूप में बैठा था”

● व्हाइट हाउस में पत्रकारों के सवाल पर दी प्रतिक्रिया

● ट्रंप ने ईरानी बयान को मजाकिया अंदाज में खारिज किया

दावा- लारीजानी का बयान क्राउड फंडिंग से जुड़ा

लारीजानी के इस बयान को लेकर स्थानीय मीडिया ने एक रिपोर्ट में “क्लड पैक्ट” नामक एक ऑनलाइन क्राउड फंडिंग अभियान से जुड़े होने का दावा किया। ये अभियान खामेनेई का अपमान करने वालों के खिलाफ बदला लेने के लिए फंड जुटा रहा है। जिसके बारे में दावा किया गया है कि 8 जुलाई तक इसने 27 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि जुटा दी है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में “क्लड पैक्ट” नामक ऑनलाइन क्राउड फंडिंग अभियान का खुलासा

अमेरिका ने ईरान के एटमी ठिकानों पर हमला किया था

अमेरिका ने 22 जून को ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फाहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ। ईरान पर हमले के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने हमले की डिटेल दी है। जॉइंट चीफ ऑफ स्टॉफ जनरल डैन केन ने बताया कि इस मिशन में 125 एयरक्राफ्ट शामिल थे।

हमले का उद्देश्य रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाना बताया गया।

चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तिकड़ी भारत के खिलाफ एकजुट !

अनिल चौहान की चेतावनी से सतर्क हुआ सुरक्षा तंत्र, मोदी अलर्ट

नई दिल्ली । एजेंसी

पाकिस्तान भारत के खिलाफ बेहद घिनौनी साजिश रच रहा है। इसका खुलासा खुद भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ ने किया है। सीडीएस अनिल चौहान की तरफ से जो बातें कही गई हैं। वो बेहद चौंकाने वाली हैं। पाकिस्तान सिर्फ अकेला ही नहीं चीन और बांग्लादेश मिलकर भारत को किस तरह टारगेट किया जाए इससी साजिश बुन रहे हैं। सीडीएस अनिल चौहान के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान की परतें खोलने का काम किया। पाकिस्तान पिछले पांच सालों में कितने हथियार चीन से ले चुका है। इन हथियारों के जरिए क्या रणनीति इन देशों के द्वारा बनाई जा रही है, जो भारत के लिए खतरनाक हो सकती है। सीडीएस अनिल चौहान ने साफ और सटीक शब्दों में कहा कि बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान का एक साथ आना भारत के लिए खतरे का संकेत हो सकता है। भारत वैसे तो पाकिस्तान को हर मुहाने पर लगातार मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। चीन सीधे तो



बाहरी ताकतों के प्रभाव से भारत को खतरा

● आर्थिक कमजोरी के कारण क्षेत्रीय देशों में विदेशी प्रभाव बढ़ा

● इसका सीधा असर भारत की सुरक्षा और कूटनीति पर पड़ सकता है

दक्षिण एशिया में राजनीतिक अस्थिरता चुनौती

● सरकारों के साथ वैचारिक दृष्टिकोण और नीतियां भी बदल रहीं

● भू-राजनीतिक अस्थिरता भारत के लिए रणनीतिक समस्या

देता रहा है और इसमें चीन की भी भूमिका रही है। पाकिस्तान और चीन का एक-दूसरे से मिलना भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है पाकिस्तान को पिछले पांच सालों में 70 से 80 प्रतिशत हथियार और उपकरण चीन से मिले हैं।

हिंद महासागर क्षेत्र के देशों का आर्थिक संकट उन्हीं के लिए दिक्कत बन सकता है। इसकी वजह से बाहरी शक्तियों ने अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका हासिल कर लिया है। इसका असर भारत पर भी हो सकता है दक्षिण एशिया में सरकारों के बार-बार बदलने के साथ भू-राजनीतिक समीकरण और वैचारिक दृष्टिकोण भी बदल रहा है, जो कि एक और अहम चुनौती है। इसी तरह, चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच निजी फायदे की वजह से नजदीकी बढ़ रही है, जो कि भारत की सुरक्षा और स्थिरता को लेकर खतरा बन सकती है। हम सभी मौजूदा स्थिति से वाकिफ हैं। सीडीएस ने यह भी रेखांकित किया कि कैसे भारत ने पाकिस्तान की परमाणु हमले की धौंस को उजागर किया।

मानवता विरोधी अपराध में शेख हसीना पर आरोप तय ढाका । बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर गुरुवार को मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में औपचारिक रूप से अभियोग लगाया गया । अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने शेख हसीना पर मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोप स्वीकार करते हुए उन पर अभियोग लगाया है। यह आरोप पिछले वर्ष एक बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह के संबंध में लगाया गया था जिसमें सैकड़ों छात्र मारे गए थे। न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तजा मौजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय पैनल ने शेख हसीना, पूर्व गृह मंत्री असदुज्ज्मान खान और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मासूम पर पांच आरोप लगाए।

चीन पर अमेरिकी का नया प्रतिबंध

चीनी निवेशकों को अमेरिकी कृषि भूमि खरीदने की मनाही

नई दिल्ली । एजेंसी

अमेरिका और चीन के बीच की अदावत तो किसी से छुपी नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप भले ही जिनपिंग को भले ही पसंद करने की बात करते हो। लेकिन एक्शन उनकी बातों से बिल्कुल भी मेल नहीं खाते। इसलिए तो पहला कार्यकाल हो या ट्रंप 2.0 चीन के प्रति अमेरिका का सख्त रवैया बदस्तूर जारी है।

टैरिफ वॉर हो या ताड़वान के प्रति चीन का एग्सेसिव नेचर अमेरिका का ड्रैगन के प्रति स्टैंड एकदम साफ रहा है। अब इसी क्रम में अमेरिका ने चीन पर नया

बैन लगा दिया है। लेकिन इस बार मसला खरीद-बिक्री से जुड़ा है और वो भी जमीन से जुड़ा मसला है। ट्रंप 2.0 के आने के बाद नया फैसला ये लिया गया है कि अब चीन अमेरिका में कोई खेती की जमीन नहीं खरीद सकता है। चीन इन इस फैसले को लेकर कह रहा है कि ये तो सीधा भेद-भाव है।

अमेरिकी कृषि विभाग ने राष्ट्रीय कृषि सुरक्षा कार्य योजना (एनपीपी) की घोषणा की है, जो एक नई पहल है जिसका उद्देश्य अमेरिकी कृषि भूमि को विदेशी प्रभाव, विशेष रूप से चीन से बचाना है।

शादी के 4 साल बाद राजकुमार राव और पत्रलेखा बनने वाले हैं पेरेंट्स

सोशल मीडिया पर दी प्रेनेंसी की घोषणा



बॉलीवुड सेलिब्रिटी जोड़ी राजकुमार राव और पत्रलेखा 9 जुलाई, 2025 को अपनी प्रेनेंसी की घोषणा करके बेहद खुश हैं। इस जोड़े ने एक संयुक्त सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी साझा की और अपने जीवन के एक नए अध्याय का स्वागत करने की तैयारी में अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने नवंबर 2021 में शादी की थी।

कहानी फिल्म जगत की

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने साशल मीडिया पर यह खुशखबरी साझा की, जिसमें लिखा था, “बच्चा आने वाला है।” यह घोषणा तेजी से वायरल हुई और कई अभिनेताओं, मशहूर हस्तियों और फिल्म जगत के सदस्यों ने कमेंट सेक्शन में भावी माता-पिता के लिए प्यार और बधाई की बाढ़ ला दी। सोनाक्षी सिन्हा, नुसरत भरुचा, पुलकित सम्राट, ईशा गुप्ता, भूमि पेडनेकर, मानुषी छिल्लर, हुमा कुरेशी और फराह खान सहित कई अन्य लोगों ने हार्दिक शुभकामनाएँ भेजीं। भूमि पेडनेकर, तुपति डिमरी, भारती सिंह, नेहा धूपिया, ईशा गुप्ता और क्रियारा आडवाणी समेत कई हस्तियों ने इंस्टाग्राम पर इस जोड़े को बधाई दी। फराह खान ने मजाक करते हुए लिखा, “आखिरकार, खबर सामने आ ही गई !! मुझे इसे अपने तक ही सीमित रखने में मुश्किल हो रही थी। बधाई हो।” सोनम कपूर ने लिखा, “आप दोनों के लिए बहुत खुश हूँ, मेरे प्यारे दोस्तों।”

काम की बात करें : काम की बात करें तो, 40 वर्षीय राजकुमार राव शुक्रवार, 11 जुलाई को अपनी फिल्म मालिक की रिलीज़ का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें स्त्री 2, श्रीकांत, बधाई दो, ट्रेड और शाहिद जैसी फिल्मों में उनके प्रशंसित अभिनय के लिए जाना जाता है। इस बीच, पत्रलेखा, जिन्होंने हंसल मेहता की फिल्म सिटीलाइट्स से अपने पति के साथ डेब्यू किया था, हाल ही में प्रतीक गांधी के साथ फुले में नज़र आईं। उन्होंने आईसी 814: द कंधार हाईजैक और मैं हीरो बोल रहा हूँ।

सुको ने बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ माह पहले मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पर सवाल उठाया

चुनाव आयोग से कहा - आधार कार्ड नागरिकता के लिए नहीं हो सकता, ये आपका काम नहीं, गृह मंत्रालय का काम है

ब्यूरो

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय के जस्टिस सुधांशु धूलिया व जॉयमाल्या बागची को पीठ ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से कहा कि आधार कार्ड नागरिकता के लिए नहीं हो सकता, ये आपका काम नहीं, गृह मंत्रालय का काम है। सुनवाई के दौरान अदालत ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, लेकिन राज्य में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले होने वाली इस प्रक्रिया के समय पर सवाल उठाया। चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सुधांशु धूलिया व जॉयमाल्या बागची को पीठ ने कहा कि आपकी कवायद समस्या नहीं है, समस्या समय की है।बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण को नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनावों से क्यों जोड़ा जा रहा है? यह चुनावों से इतर क्यों नहीं हो सकता? जस्टिस धूलिया ने कहा कि एक बार मतदाता सूची को अंतिम रूप दे दिया जाए तो अदालत उसे नहीं छुएंगी। जिसका अर्थ है कि मताधिकार से वंचित व्यक्ति के पास चुनाव से पहले उसे (संशोधित सूची को) चुनौती देने का विकल्प नहीं होगा हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा मतदाता सूची को गहन प्रक्रिया के माध्यम से सही करने में कुछ भी गलत नहीं है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गैर-नागरिकों का नाम मतदाता सूची में न रह जाए। सुनवाई की प्रमुख बातें निम्न हैं —

कोर्ट ने एडीआर वकील से पूछा आप विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनावों से क्यों जोड़ रहे हैं? एडीआर वकील ने सफाई दी हम अधिकार नहीं, प्रोसेस के खिलाफ हैं। कोर्ट की नागरिकता के मुद्दे पर सिब्बल ने खड़े किए सवाल। कोर्ट ने कहा नागरिकता का काम चुनाव आयोग का नहीं, गृह मंत्रालय का है। सिब्बल बोले, नागरिक नहीं हैं ये चुनाव आयोग सिद्ध करे।

● एडीआर वकील : कानून के अनुसार, इलेक्शन कमीशन को एसएसआर और स्पेशल इंटेसिव कराने का अधिकार है। सिर्फ 11 डॉक्यूमेंट ही लिए जा रहे हैं।आधार कार्ड वोटर आईडी कार्ड जैसे दस्तावेज नहीं मांगे जा रहे। आज तक स्पेशल इंटेसिव रिविजन शब्द का उपयोग नहीं हुआ।

● जज : चुनाव आयोग जो कर रहा है उसे उसका अधिकार संविधान ने दिया है। सवाल है कि क्या चुनाव आयोग को इंटेसिव रिविजन का अधिकार है या नहीं। आप अधिकार को चैलेंज नहीं कर रहे हैं?

● एडीआर वकील : हम अधिकार का नहीं बल्कि जिस तरीके से ये प्रक्रिया की जा रही है उसके खिलाफ हैं। कानून में संशोधन कर आधार कार्ड को वोटर कार्ड के दस्तावेज के तौर पर शामिल किया गया है। 2021 में संशोधन किया गया और 2022 में इसे लागू किया गया, लेकिन चुनाव आयोग आधार कार्ड को एसआईआर में शामिल नहीं कर रहा है।

● जज : क्या वोटर कार्ड दस्तावेज एसआईआर में शामिल है?

● एडीआर वकील : नहीं। फॉर्म 6 में आधार कार्ड, मनरेगा, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज शामिल हैं, लेकिन एसआईआर में इसे शामिल नहीं किया गया। बिहार में एन्यूसंरेशन फॉर्म 7.89 करोड़ मतदाताओं को देना है। ये नया फॉर्म चुनाव आयोग ने बनाया है इससे पहले ये फॉर्म नहीं था। अभी तक सिर्फ फॉर्म 6 था, जब नए वोटर का नाम मतदाता सूची में जोड़ा जाता था।

● जज : आधार कार्ड नागरिकता के लिए नहीं हो सकता। ये आपका काम नहीं, गृह मंत्रालय का काम है।

● चुनाव आयोग : हमें समय दें। अभी प्रक्रिया चल रही है। पता नहीं है कि कितने लोग बाहर होंगे।

● कपिल सिब्बल : संविधान के आर्टिकल 10 और 11 में लिखा है कि सिटीजन बनने के लिए 3 कैंटेगरी है। चुनाव आयोग कहता है हर व्यक्ति जो 18 साल और भारत का नागरिक है वो वोटर बन सकता है तो फिर चुनाव आयोग कैसे पूछ सकता है कि अगर आप ये फॉर्म नहीं भरेंगे तो आप वोट नहीं कर पाएंगे। ये हैरानी की बात है, जो 11 दस्तावेज उसके आधार पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने की बात कही गई है, वो बहुत ही कम लोगों के पास हैं।

● जज : क्या आप बोल रहे हैं कि बहुत बड़ी आबादी के पास ये 11 दस्तावेज नहीं हैं?

● कपिल सिब्बल : यही बात हम कहना चाहते हैं। नागरिकता साबित करने का दायित्व मुझ पर नहीं है। मुझे मतदाता सूची से हटाने से पहले, उन्हें ये दिखाना होगा कि उनके पास कोई ऐसा दस्तावेज है जो साबित करता है कि मैं नागरिक नहीं हूँ।

● अभिषेक मनु सिंघवी : बिहार में करीब 4 करोड़ लोगों को अपने आप को मतदाता सूची में जोड़ने के लिए 3 अलग तरह के दस्तावेज देने होंगे। ये नागरिकता का मामला है। एक भी मतदाता को मताधिकार से वंचित करने से लोकतंत्र और बुनियादी ढांचे पर असर पड़ता है।

● जज : हम इस मामले में आपके साथ हैं। समरी रोल कराने को लेकर समय और उसकी प्रक्रिया संविधान में दिया गया है। लेकिन स्पेशल इंटेसिव रिवीजन को लेकर समय नहीं दिया गया।

● अभिषेक मनु सिंघवी- क्यों चुनाव आयोग ने गृह के आखिरी में एसआईआर की घोषणा की? अब ये एसआईआर बांगाल में कराने वाले हैं। अगर ये प्रक्रिया पहले हुई होती तो कोई दिक्कत नहीं थी।

● जज : याचिकाकर्ता न सिर्फ आपके अधिकार बल्कि पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं और एसआईआर के समय को लेकर सवाल है। जज ने यह बात चुनाव आयोग के वकील से कही।

● चुनाव आयोग के वकील : इलेक्शन रोल बनाने का अधिकार चुनाव आयोग को आर्टिकल 1 में दिया गया है।

● जज : याचिकाकर्ता सीधे तौर पर आपके अधिकार पर नहीं, एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।

● चुनाव आयोग के वकील : चुनाव आयोग का सीधे मतदाताओं से रिलेशन है। अगर मतदाता नहीं होंगे तो चुनाव आयोग का कोई काम नहीं।

● जज : हम पिछले 20 साल से चुनाव में शामिल हो रहे हैं तो अचानक से क्यों ये डॉक्यूमेंट मांग रहे?

● चुनाव आयोग के वकील : कौन लोग हैं जो ये सवाल पूछ रहे हैं, जो बिहार में मतदाता भी नहीं हैं।

● जज : हम 28 जुलाई को फिर से फेस की सुनवाई करेंगे। आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड - मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए उपयोग करें।



मिठाई बनाओ या डेज़र्ट स्वाद में लगे सब बेस्ट

अमूल दूध पीता है इंडिया

रिमझिम और तेज बारिशों के बीच आज सावन शुरू

पहाड़ी मंदिर में सफाई और सड़कों की व्यवस्था पर पर निगम पीछे

नवीन मेल संवाददाता । रांची

रिमझिम और तेज बारिशों के बीच आज सावन आया है। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव और आदिशक्ति माता पार्वती की पूजा करने का अवसर होता है। पहाड़ी मंदिर रांची में सावन को लेकर समिति के द्वारा पहले से ही तैयारी की जाती है। पहाड़ी मंदिर समिति के अध्यक्ष जिले के उपायुक्त हैं और एसडीओ रांची सचिव हैं। सावन के महीने में पहाड़ी मंदिर में विशेष सुरक्षा की व्यवस्था के साथ सीसीटीवी कैमरे से भीड़ पर नजर रखी जाती है। आज से सावन शुरू हो रहा है और निगम ने

स्वच्छता और सड़कों पर ध्यान नहीं दिया है। नाली की सफाई और मरम्मत नहीं हुई है जिससे नाली का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। पूजा करने आने वाले श्रद्धालु जिसमें खाली पैर महिलाएं पूजा करने के लिए आती हैं उन्हें उन सड़क में बहते गंदे पानी में पांव रखकर मंदिर परिसर पर पहुंचना पड़ेगा। वहीं सड़कों पर बने गड्ढों को नहीं भरा गया है, नालियां भी खुली हुई हैं। पहाड़ी मंदिर में श्रद्धालुओं की उमड़ती भीड़ में नालियों का खुला रहना और सड़क पर गड्ढे बने होने से दुर्घटना की संभावना बनती है। पूजा के सामान की दुकानें रोड तक लगाइ गई हैं। इस बार पिछली बार से भी ज्यादा भीड़ होने की संभावना बताई जा रही है।



सावित्री देवी ने कहा कि निगम के कर्मियों को कई बार वेंकटेश्वर मंदिर के मोड़ पर नाली भरी होने की सूचना दिए मगर उन्होंने नाली साफ नहीं किया। पानी सड़कों में बह रहा है जिससे हम सभी महिलाओं को पूजा करने पहाड़ी मंदिर आने के लिए गंदे पानी पर पांव रखकर मंदिर पहुंचना होगा।

संजय राम ने कहा कि बानो मंजिल रोड में नाली टूटी हुई है जिससे शौचालय का पानी सड़क पर आता है। कि सावन में आने जाने वालों को गंदे पानी में पैर रखकर आगे बढ़ना होगा।

स्थानीय दुकानदार एसडी इकबाल ने बानो मंदिर रोड का बारे में बताया कि शौचालय का गंदा पानी सड़क पर बहता है, निगम ने नालियों की साफ सफाई और मरम्मत नहीं कराई है।

आरटीई उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर हो सख्त कार्रवाई : अजय राय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के 45 निजी विद्यालयों द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत चयनित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों का नामांकन नहीं लेने के मामले को झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने रांची उपायुक्त को एक ईमेल के माध्यम से पत्र भेजकर इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई है और संबंधित विद्यालयों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा तीन बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद भी जब इन 45 स्कूलों ने नामांकन नहीं किया, तो यह शिक्षा के अधिकार अधिनियम का खुला उल्लंघन है।



श्री राय ने कहा कि “शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है और इसे वंचित बच्चों से छीनना एक सामाजिक अपराध है। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन इसके विरुद्ध हमेशा मुखर रहेगा। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि वह इस गंभीर मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल कार्रवाई करे, जिससे शिक्षा का अधिकार अधिनियम पूरी पारदर्शिता और प्रभावशीलता के साथ लागू हो सके।

दिव्यांगजनों की सहायता करता है डालसा : शिवानी सिंह



● शिवानी सिंह ने दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम-2016 पर किया फोकस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चेशायर होम बरियातू में दिव्यांगजनों के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डालसा टीम के सदस्यों में एलएडीसी सहायक शिवानी सिंह, पीएलवी सम्पा दास, स्नेहलता दुबे, विधि की छात्रा अम्बरीन फिरदौस समेत अन्य लोग उपस्थित थे। एलएडीसी सहायक, शिवानी सिंह ने दिव्यांगजनों के अधिकारों के बारे में संवैधानिक प्रावधान पर फोकस किया। दिव्यांग बच्चों को एक ऐसी शक्ति ईश्वर के द्वारा दी गई है, जो किसी सामान्य बच्चों को नहीं प्राप्त है। दिव्यांग बच्चे कभी अपने आप को असहाय, असहज महसूस न या हिन भावना से ग्रसित न समझे क्योंकि वह भी समाज के एक हिस्सा है। सुश्री सिंह ने कहा कि दिव्यांगजनों को किसी भी सहायता की आवश्यकता है, तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकार,

रांची में अपना आवेदन पीएलवी के माध्यम से दे सकते हैं। उनके समस्याओं का समाधान कर उन्हें मदद पहुंचाना ही डालसा का उद्देश्य है। इसके अलावा उन्होंने दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम-2016 के बारे में वहां के दिव्यांगजनों को बतलाया। संविधान के आर्टिकल-21 ए में शिक्षा का अधिकार दिया हुआ है, चाहे समाज के किसी भी तबके के किसी भी तरह के लोग हो उनको निःशुल्क शिक्षा मिलनी ही चाहिए। दिव्यांग व्यक्तियों के लिए उच्च शिक्षा में 5 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है। सरकारी नौकरियों में भी आरक्षण का प्रावधान है। रोजगार के अवसर में आरक्षण का प्रावधान दिया गया है। इनकम टैक्स में आरक्षण की व्यवस्था की गयी है। यह भी ज्ञात हो कि सुश्री शिवानी सिंह ने नालसा द्वारा चलाये जा रहे योजना 'साथी' और 'आशा' तथा जागृति एवं डॉन के बारे में भी दिव्यांगजनों को जानकारी प्रदान की। नालसा टॉल फ्री नम्बर के बारे में भी जानकारी दी। विधि की छात्रा अम्बरीन फिरदौस ने साथी अभियान के तहत निराश्रित, अनाथ व असहाय बच्चों जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

बच्चों को स्वस्थ बनाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने शुरू किया विशेष अभियान

● आरसीएच सभागार में ओरिएंटेशन का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शिशु मृत्यु दर कम करने और कमजोर बच्चों को स्वस्थ बनाने के उद्देश्य से रांची जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पे विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। यह अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन संस्थान के साथ प्रारंभ किया जा रहा है। इस अभियान के तहत 250 वोलेंटियर तैयार किए जाएंगे जो बच्चों को गोद लेने के साथ उनकी देखभाल का भी ध्यान रखेंगे। इस अभियान के



क्रियान्वयन को लेकर गुरुवार को नामकुम स्थित आरसीएच सभागार में अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा की अध्यक्षता में ओरिएंटेशन का आयोजन किया गया।

फाउंडेशन की डॉ रूपल और अन्य प्रतिनिधियों ने प्रजेंटेशन दिया। कार्यक्रम में शिशु स्वास्थ्य कोषांग प्रभारी डॉ कमलेश, मातृत्व स्वास्थ्य कोषांग प्रभारी डॉ पुष्पा, आईईसी कोषांग प्रभारी डॉ लाल माझी, रांची सिविल सर्जन सहित सभी संबंधित कोषांगों

के परामर्शी और समन्वयक मौजूद थे। आईआईटी मुंबई की ओर से तैयार हेल्थ स्पेकेन ट्यूटोरियल की मदद से स्टाफ को प्रशिक्षित किया जायेगा हेल्थ स्पेकेन ट्यूटोरियल में 15 भाषाओं में बच्चों के पोषण से संबंधित 102 प्रकार के लेक्चर सिरिज हैं। लॉर्निंग एंड एक्शन प्रोटोकॉल में आईईटी मुंबई सहयोग करेगा। अभियान निदेशक ने निर्देश दिया कि इस अभियान के कार्यान्वयन में एएनएम, स्वास्थ्य सहाया, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका का पूरा सहयोग ले। उन्होंने प्रशिक्षण कोषांग की परामर्शी को निर्देश दिया की प्रत्येक प्रखण्ड से तीन-तीन लोगों का चयन करें, जिन्हें प्रशिक्षित कर मास्टर ट्रेनर के रूप में

कायं लिया जा सके। उन्होंने कहा कि मास्टर ट्रेनर तैयार हो जाने से यह कार्यक्रम समुदाय स्तर तक पहुंचाने में आसानी होगी। उन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में यूनिसेफ से भी सहयोग लेने का निर्देश दिया। अभियान का मूल उद्देश्य गर्भवती धात्री माताओं के पोषण में सुधार और शिशु एवं बाल आहार पूर्ति के व्यवहारों पर स्वास्थ्य सेवा प्रदाता का कौशल उन्मुखीकरण किया जाना है। अभियान के तहत नवजात बच्चों की देखभाल के लिए जन्म के बाद से ही कमजोर बच्चों की सूची तैयार कर गोद देने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी साथ ही गोद लेने वाले बच्चों के सेहतमंद होने तक वोलेंटियर हेल्थ मॉनिटरिंग करेंगे।



भारी बारिश को लेकर मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने आज आपात बैठक बुलाई, कहा-

राज्य सरकार हर प्रभावित नागरिक के साथ खड़ी है

● राहत कार्यों में कोई कोताही नहीं होगी : डॉ इरफान अंसारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य के विभिन्न हिस्सों में विगत कई दिनों से लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। भारी बारिश के चलते अनेक क्षेत्रों में जलजमाव, आवागमन में बाधा, मकानों और



फसलों को नुकसान जैसी समस्याएं

उत्पन्न हुई हैं। यह स्थिति राज्य के नागरिकों के लिए गंभीर चुनौती बनकर उभरी है।

इस आपदा की घड़ी में राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है। राज्य की जनता को हो रहे नुकसान की भरपाई और राहत कार्यों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए मंत्री डॉक्टर इरफान अंसारी द्वारा आपदा प्रबंधन विभाग की एक आपात बैठक आहूत की गई है।

यह बैठक शुक्रवार को पूर्वाह्न 10:00 बजे आयोजित की जाएगी। बैठक में सभी संबंधित विभागों के वरीय अधिकारियों को उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि स्थिति का समुचित मूल्यांकन कर त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों की रणनीति बनाई जा सके। राज्य सरकार जनता से अपील करती है कि वे अफवाहों से बचें, सतर्क रहें तथा प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक झारखंड को राष्ट्रीय पटल पर रखने का अवसर :नायक

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा है कि पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक झारखंड के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है। यह न केवल केंद्र और

राज्य के बीच संवाद का मंच है, बल्कि झारखंड को अपनी अनूठी संभावनाओं और चुनौतियों को राष्ट्रीय पटल पर रखने का मौका भी है। इस बार, झारखंड को पारंपरिक मांगों जैसे बकाया राशि या संपत्ति बंटवारे से आगे बढ़कर उन अनछुए पहलुओं को उठाना चाहिए।

तुष्टीकरण में डूबी बिहार कांग्रेस मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का कर रही विरोध : प्रदीप वर्मा

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद प्रदीप वर्मा ने कांग्रेस के झारखंड प्रभारी के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। डॉ वर्मा ने कहा कि न्यायालय ने बिहार में चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को सही ठहराया है। आम जनता में ही इसे लेकर कोई परेशानी नहीं है लेकिन ईडी गठबंधन के घटक दल कांग्रेस राजद झामुमो इसे तुष्टीकरण के चश्मे से देख रहे हैं। और यही कारण है कि वे इसका विरोध कर रहे। कहा कि कांग्रेस पार्टी का इतिहास संवैधानिक संस्थाओं के विरोध से भरा हुआ है। जब इनके सोच के अनुकूल संस्थाएं कार्य नहीं करती तो वे पार्टियों अपनी विरोधी हो जाती है। आज ये लोग चुनाव आयोग, ईडी,सीबीआई सब के विरोधी बने हैं। आज ये जिस न्यायालय में याचिका दायर करते हैं उसी न्यायालय के फैसले को सत्ता मद में बदला है। राहुल गांधी जी ने तो अपनी पार्टी की सरकार के फैसले को भी चौगरहे पर फाड़ दिया था। कहा कि कांग्रेस पार्टी को न लोकतंत्र में विश्वास है और न संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर। ये परिवारवादी पार्टियां परिवार के कानून से चलती हैं और देश को भी चलना चाहती हैं। कहा कि आज झारखंड में शेंड्यूल 5 के तहत पेसा कानून लागू करने से कांग्रेस पार्टी भाग रही।

न्यूज बॉक्स

नकली कागज बना कर जमीन खरीद फरोख्त में एक आरोपी गिरफ्तार

रांची। पिठोरिया थाना में प्राथमिकी आरोपी हसीब अंसारी रांची के ओरमांडी निवासी को फर्जी कागजात और वंशावली से जमीन को अवैध रूप से खरीद फरोख्त करने के आरोप में पिठोरिया थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया। मामले में शामिल अन्य आरोपियों के विरुद्ध छापामारी जारी है।



सड़े हाल में अज्ञात शव मिला, जांच में जुटी

रांची।आईटीआई बस स्टैंड के पास गुरुवार को एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। बस स्टैंड के पास बने पानी टंकी के नीचे सड़ी गली अवस्था में शव मिला जिस से इलाकें में हडकंप का माहौल बन गया। शव मिलने के बाद पंडरा ओपी की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस हत्या सहित सभी बिंदु पर जांच में जुटी हुई है। चार पांच दिन पुराना शव मिलने के वजह से युवक की पहचान मुश्किल हो गई है। खबर लिखे जाने तक मृतक कि पहचान नहीं हो पाई थी।

डोटिम में व्याख्यान देंगे डॉ लंबोदर महतो

रांची। डोटिम (दलित,ओबीसी,थारू,स्वदेशी अल्पसंख्यक) का अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस 12 जुलाई को नेपाल की राजधानी काठमांडू के अमृत भोग पार्टी पैलेस में आयोजित किया है। इस कांग्रेस में व्याख्यान देने पूर्व विधायक डॉ लंबोदर महतो को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यह जानकारी डोटिम के प्रमुख सलाहकार डॉ पीके ठाकुर ने दी है।



पृष्ठ एक के शेष

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ददई दुबे...

1990 के चुनाव में जनता ने उन्हें दोबारा विधायक बनाकर विधानसभा भेजा था। लेकिन 1995 में ददई दुबे आरजेडी के रामचन्द्र चंद्रवंशी से चुनाव हार गये थे। इसके बाद दोनों में हार-जीत का सिलसिला शुरू हो गया। 2000 में ददई जीते, तो 2005 चंद्रवंशी को जीत मिली। फिर 2009 में ददई दुबे ने विश्रामपुर सीट पर कब्जा जमाया। कांग्रेस नेता ददई दुबे मजदूर संगठन इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहें। 2004 में धनबाद से सांसद भी चुने गये थे। राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार में वो ग्रामीण विकास मंत्री भी रहें।

धरातल पर नहीं मिला आम...

सेवक कनि्य अभियंता, सहायक अभियंता, रोजगार सेवक और मेट पर 6048 रुपये का जुमाना लगाया कई ऐसे मामले सामने आए जिस पर जीवरी के सदस्यों ने नियम के विरोध अपना फैसला दिया गया। उन योजनाओं की प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई में समीक्षा करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जूरी सदस्य में पंचायत समिति सदस्य श्रद्धा देवी, अध्यक्ष राहुल, मनरेगा मजदूर अनंत कुमार अनंत, समाजसेवी सांसद प्रतिनिधि रूप निरंजन सिंह, महिला संघ सहायता समूह के कलावती देवी, ऑडी टीम में टीम लीडर अनिल कुमार मेहता, अवधेश प्रजापति, मुकेश प्रजापति, जितेंद्र राम, नीलम देवी, आनामिका देवी शामिल थीं। इस मौके पर मुखिया विनय सिंह रोजगार सेवक, मुरारी सिंह विष्वनाथ सिंह राजेंद्र सिंह ललन बैदा नागेंद्र विष्वकर्मा संतोष कुमार शिशिर मिंज वार्ड सदस्य रजनी लकड़ू ज्योति मिंज शाहित भंडरिया पंचायत अंतर्गत भंडरिया सिकरिया नौका बंगारी दुगाडीह भेजरिया मरदा के दर्जनों महिला पुरुष शामिल थे।

कैदियों, अधिवक्ता और जजों की...

जायजा लिया। हाजत का जायजा लेने के क्रम में डीआईजी वहां लगाए गए कमजोर क्वालिटी के ताले को देखकर विफर पड़े। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को फटककर लगाते हुए बड़ा और मजबूत ताला लगाने का निर्देश दिया। सीसीटीवी काम कर रहा है या नहीं इसकी भी जानकारी ली। डीआईजी ने पुलिसकर्मियों से कहा कि जिला न्यायालय की सुझा में चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि तमाम सुरक्षा उपाय चुरत दुरुस्त होने चाहिए। जिन पुलिसकर्मियों की जहां ड्यूटी लगी हो, उन्हें वहां पर मुस्तैद रहना होगा। डीआईजी ने कहा कि कैदियों के साथ-साथ अधिवक्ता और जजों की सुरक्षा पुलिस की जिम्मेवारी है। डीआईजी ने गेट से लेकर अंदर तक तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बाद में डीआईजी ने पलामू के प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश से मुलाकात की।

रांची मेट्रो रेल परियोजना को...

अलावा रिस्स -2 और छह नए मॉडिकल कॉलेजों के निर्माण के लिए केंद्र से आर्थिक सहयोग की मांग की।

धार्मिक स्थलों को रामायण सर्किट में शामिल करने की मांग : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के धार्मिक स्थलों को रामायण सर्किट और बोर्ड सर्किट में शामिल किया जाए ताकि पर्यटन को बढ़ावा मिल सके। साथ ही, झारखंड-बिहार के बीच लंबित परिपक्वित बंटवारे का मुद्दा भी उन्होंने जोरशोर से उठाया।

केंद्र से ‘सहकारी संघवाद’ की अपील : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की भौगोलिक चुनौतियों और सामाजिक-आर्थिक स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार को सहकारी संघवाद की भावना के तहत सहयोग करना चाहिए। उन्होंने भारोसा जताया कि इस बैठक से झारखंड के कई लंबित मुद्दों का समाधान निकलेगा।

मईयां सम्मान योजना का जिक्र : मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना का उल्लेख किया, जिसके तहत 18-50 वर्ष की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और सामाजिक बदलाव का रास्ता खुला है।

राज्यों के विकास में केंद्र...

से गंगा नदी का अविकल बहाव सुनिश्चित करने और बिहार-पश्चिम बंगाल सीमा पर कटावरोधी कार्यों के खर्च का शत-प्रतिशत भार केंद्र सरकार द्वारा उठाने की मांग की। उपमुख्यमंत्री चौधरी ने गंगा और नेपाल व अन्य राज्यों से आने वाली नदियों के जल प्रबंधन के लिए समन्वित नीति बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने राज्य की सभी ग्राम पंचायतों में बैंकों की शाखाएं खोलने के लिए केंद्र से मदद का आग्रह किया। माझी ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में 6,794 ग्राम पंचायतों में से सिर्फ 2,421 में ही बैंक शाखाएं हैं। शेष 4,373 ग्राम पंचायतें अब भी बैंक शाखाओं से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्याओं को दूर करने के लिए केंद्र जरूरी कदम उठाए ताकि बैंकों को शेष पंचायतों में शाखाएं खोलने में सुविधा हो। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बैठक में शिरकत कर रहे विस्तार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य ने “भड़काऊ सोशल मीडिया” कंटेंट पर रोक लगाने के लिए कड़े राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग की। इसके अलावा, उन्होंने राज्य की ओर से केंद्र प्रायोजित विभिन्न योजनाओं के तहत लंबित बकाया भुगतान का मुद्दा उठाया।

रात्रि गश्ती के बजाय अवैध वसूली में... समान या अवैध की जानकारी लेने के बजाय उनसे पैसे की वसूली की जाती है। बताते चलें कि शहरी क्षेत्र में बीते दिनों से चोरी की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है इसके बावजूद रात्रि गश्ती के स्थान पर पुलिस जवान घंटों वाहनों की कतार लगाकर वसूली करने में लगे रहते हैं जिस कारण चोरों का हौसला बढ़ा रहता है। स्थानीय लोगों की माने तो रांची रोड में प्रतिदिन पुलिस द्वारा मालवाहक वाहनों से अवैध वसूली की जाती है। इस दौरान वे बेखौफ होकर बिना किसी कार्रवाई के डर के दर्जनों वाहनों से हजारों रुपए ऐंठते हैं। दिन दहाड़े युवक को मारी... कि हम अपने दोस्त सदान खान, तोहिद खान एवं लाडले खान के साथ गाड़ी से डीजल लेने मंझिआंव जा रहे थे, इसी दौरान हम सब चौक पर पान खाने के लिए रुके और दुकानदार को पान लगाने के लिए बोले। इस दौरान पहले से मौजूद सफीर खान के पुत्र वसीम खान एवं एक लंबा कद दाढ़ी रख्हा हुआ व्यक्ति हमारे ऊपर गोली चल दिया। उस समय हम गाड़ी में ही बैठे हुए थे। दो गोली नहीं लगा, उसके बाद तीसरा गोली चलाने के दौरान हम अपना हाथ आगे किया लेकिन नसों पकड़ पाए और गोली चलाने के बाद हाथ में लग गया है। उसके बाद दो-तीन अज्ञात लोग और गोली चलाते से वहां से फरार हो गए।फिहालहा पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।



भारत-ए पुरुष हॉकी टीम ने आयरलैंड को 6-0 से हराया

एजेंसी। आइडहोवन

भारत-ए पुरुष हॉकी टीम ने मौजूदा यूरोप दौरे के दूसरे मैच में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आयरलैंड को 6-0 से मात दी। उत्तम सिंह ने एक बार फिर भारत-ए टीम के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद कप्तान संजय ने भी गोल दागा। इसके बाद मिडफील्डर मोहम्मद राहिल मोहसिन ने लगातार दो शानदार गोल दागे। वहीं, अमनदीप लाकड़ा और वरुण कुमार ने भी एक-एक गोल किया। भारत-ए ने आयरलैंड को 6-0 से हराकर देश के लिए दूसरी जीत दर्ज की। मैच के बाद कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, “आयरलैंड के खिलाफ हमारे दो मैच वाकई शानदार रहे हैं। मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूं। अब हम फ्रांसीसी टीम से खेलेंगे और उम्मीद है कि हम उनका ही प्रभावशाली प्रदर्शन करेंगे।”मंगलवार को, भारत ने हॉकी क्लब ओरोंगे-रूड में आयरलैंड पर 6-1 की शानदार जीत के साथ अपने यूरोप

सीनियर मॅस नेशनल कैप के लिए 33 सदस्यीय कोर ग्रुप का ऐलान

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को सीनियर मॅस नेशनल कोचिंग कैप के लिए 33 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की घोषणा कर दी। यह कैप 14 जुलाई से 7 अगस्त तक बेंगलुरु स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में आयोजित होगा। आगामी कैप भारतीय टीम के लिए एक अहम तैयारी चरण है, क्योंकि टीम दो बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स की तैयारी में जुटी है। यूरोप में भारत का एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 में अभियान निराशाजनक रहा था। यहां भारत ने आठ में से केवल एक मैच जीता। उसे लीग में आठवें स्थान पर रहना पड़ा।

“आयरलैंड के खिलाफ हमारे दो मैच वाकई शानदार रहे हैं। मैं खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुश हूं: कोच शिवेंद्र सिंह



खेल
डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शुक्रवार, 11 जुलाई 2025

12

एक ही ओवर में रेड्डी ने इंग्लैंड को दिए दो झटके

लॉड्स। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट गुरुवार को ऐतिहासिक लॉड्स क्रिकेट स्टेडियम में शुरू हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और लंच तक दो विकेट के नुकसान पर 83 रन बना लिए। ओली पोप 12 और जो रूट 24 रन बनाकर नाबाद हैं। इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम को पहला झटका 43 के स्कोर पर वेन डकेट के रूप में लगा। वह 23 रन बनाकर आउट हुए। जैक क्रॉल की असफलता का दौर जारी रहा। वह दूसरे विकेट के रूप में 18 रन बनाकर आउट हुए। तब टीम का स्कोर 44 था। इंग्लैंड को दोनों झटके पारी के 14वें ओवर में नितीश कुमार रेड्डी ने दिए। इसके बाद ओली पोप और जो रूट ने सावधानी से बल्लेबाजी की और लंच तक टीम को कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दोनों के बीच 39 रन की साझेदारी हो चुकी है। पोप 34 गेंद में 12 और रूट 34 गेंद में 24 रन बनाकर खेल रहे हैं। ये दोनों बल्लेबाज दूसरे सेशन में कैसा प्रदर्शन करते हैं, इस पर इंग्लैंड की पारी काफी हद तक निर्भर करेगी। अगर इनका विकेट गिरता है, तो भारतीय टीम का पलड़ा भारी होगा। अगर ये आउट नहीं हुए, तो इंग्लैंड बड़ा स्कोर बना सकती है। दोनों टीमों मैच में बड़े बदलाव के सैन्य उतरी हैं। भारत ने प्रसिद्ध कृष्णा की जगह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम में जगह दी है। उन्हें पिछले टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया था। हालांकि बुमराह पहले सेशन में अपना प्रभाव छोड़ने में सफल नहीं रहे हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने उन्हें सावधानी से खेला और कोई भी विकेट उन्हें नहीं दिया है। इंग्लैंड टीम ने भी एक बदलाव किया है। चार साल बाद जोफ्रा आर्चर टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उन्हें जोश यांग की जगह टीम में मौका दिया गया है।

लंच तक इंग्लैंड के 83/2



ओमान मेंस टी20 वर्ल्ड कप एशिया एंड ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर की मेजबानी करेगा

एजेंसी। दुबई

ओमान इस साल अक्टूबर में आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप एशिया एंड ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर की संयुक्त मेजबानी करेगा। आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप एशिया एंड ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालीफायर में नौ टीमों हिस्सा लेने जा रही हैं।



2024 के सब-रीजनल क्वालीफायर कुवैत, मलेशिया, यूएई, कतर, जापान, समोआ, नेपाल, पापुआ न्यू गिनी और मेजबान ओमान के साथ मिलकर अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में तीन स्थानों

के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इन टीमों में से ओमान, नेपाल, पापुआ न्यू गिनी और यूएई पहले भी पुरुष टी20 विश्व कप में हिस्सा ले चुके हैं। यह टूर्नामेंट 10 दिनों तक चलेगा, जिसमें ग्रुप चरण 8-10 अक्टूबर तक खेला जाएगा।

नौ टीमों को तीन-तीन के तीन ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमों सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी, जो 12-17 अक्टूबर तक खेला जाना है। सुपर सिक्स चरण के अंत में, शीर्ष तीन टीमों भारत और श्रीलंका में होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह पक्की करेंगी।

ग्रुप-1 में संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया और कतर की टीमें शामिल हैं, जबकि ग्रुप-2 में नेपाल और कुवैत के साथ-साथ पूर्वी एशिया-प्रशांत की उभरती हुई ताकत जापान भी है। मेजबान ओमान, पापुआ न्यू गिनी और समोआ के साथ ग्रुप-3 में है।

दूसरे टेस्ट के बाद टीम इंडिया पर दबाव कम होता दिख रहा है: शिखर

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत-इंग्लैंड के बीच गुरुवार से लॉड्स में तीसरे टेस्ट की शुरुआत होने जा रही है। पूर्व भारतीय ओपनर शिखर धवन ने युवा कप्तान शुभमन गिल की तारीफ की है। उनके मुताबिक सीरीज में टीम इंडिया पर दबाव कम हो गया है। शिखर धवन ने समाचार एजेंसी आईएनएस से कहा, “मैं पूरी टीम को 58 साल बाद एजबेस्टन में जीत के लिए बधाई देना चाहता हूं। यह एक अतुल्य उपलब्धि है।



दूसरे टेस्ट में जिस तरह से भारतीय खिलाड़ियों ने वापसी की, इसने उनके जन्मे को दिखाया है।” शिखर धवन ने युवा कप्तान की तारीफ में कहा, “शुभमन गिल ने 269 और 161 रनों की शानदार पारियों के साथ आगे बढ़कर नेतृत्व किया। बुमराह की अनुपस्थिति में, मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने गेंद से उनका शानदार साथ दिया। पहले टेस्ट में भले ही हम हार गए थे, लेकिन प्रदर्शन पॉजिटिव था।”शिखर धवन ने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट को लेकर कहा, “गिल ने 147 रन की मजबूत पारी खेली, जबकि ऋषभ पंत ने दो शतक जड़ते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

फीफा क्लब 2025 : रियल मैड्रिड को 4-0 से हराकर फाइनल में पीएसजी

एजेंसी। न्यू जर्सी

पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने रियल मैड्रिड को 4-0 से शिकस्त देकर फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पीएसजी की जीत के हीरो फाबियन रुइज रहे, जिन्होंने दो गोल दागे। यह मुकाबला मेटलाइफ स्टेडियम में गुरुवार (भारतीय समयानुसार) को खेला गया। अब पीएसजी की टीम खिताबी मुकाबले में इंग्लिश क्लब चेल्सी से भिड़ेगी, जिसने सेमीफाइनल में फ्लुमिनेंस को 2-0 से हराया है। भारत में इस फाइनल मैच की शुरुआत 14 जुलाई को रात 12 बजकर 30 मिनट पर होगी। रियल मैड्रिड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में लुइस एनरिके की टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल अपनाते हुए दबदबा बनाए रखा। मुकाबले के छठे मिनट फाबियन रुइज ने गोल दागकर पीएसजी को शुरुआती बढ़त दिला दी। इसके बाद ओउस्माने डेब्वेले ने 9वें मिनट में गोल करते हुए टीम को 2-0 से बढ़त में ला दिया। बार्सिलोना के पूर्व फॉरवर्ड ने 2025 में अपने क्लब के लिए 33 मैचों में 27 गोल दागे हैं। 27वें मिनट फाबियन रुइज ने एक और गोल करते हुए पीएसजी के फैंस को खुशी से झूमने



पर मजबूर कर दिया। यहां से रियल मैड्रिड की टीम पर काफी दबाव था, लेकिन मैड्रिड गोल करने में कामयाब नहीं हुई। 87वें मिनट गोंसालो रामोस ने भी गोल करते हुए अपना खाता खोला और पीएसजी को 4-0 से लीड दिला दी। पीएसजी की टीम इससे पहले लीग-1, कप डे फ्रांस और यूईएफए चैंपियंस लीग अपने नाम कर चुकी है। फीफा क्लब वर्ल्ड कप की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। यह टूर्नामेंट हर साल आयोजित होता है। इसमें दुनियाभर की बड़ी क्लब फुटबॉल टीमें हिस्सा लेती हैं, जिसका उद्देश्य दुनिया की सबसे बेहतरीन क्लब टीम का फैसला करना है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने टी20 सीरीज पर जमाया कब्जा



नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 मैच में छह विकेट से जीत दर्ज की। इसी के साथ भारत ने इंग्लैंड की सरजमीं पर इतिहास रच दिया है। भारतीय महिला टीम ने पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ उन्हीं के घर में दो या उससे अधिक मुकाबलों की टी20 सीरीज अपने नाम की है। भारत ने इंग्लैंड में पहली बार साल 2006 में टी20 क्रिकेट खेला था। इस दौरान सिर्फ एक ही टी20 मैच खेला गया, जिसमें भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। भारत-इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज का यह मुकाबला मैनचेस्टर में खेला गया, जिसमें इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। इंग्लैंड को अपना ही निर्णय भारी पड़ गया। टीम ने 21 के स्कोर पर डेनियल व्याट-हॉज (5) को विकेट खो दिया। इसके बाद टीम ने निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाए। मेजबान टीम निर्धारित ओवरों तक सात विकेट खोकर महज 126 रन बना सकी। इस टीम के लिए सोफिया डंकले ने 19 गेंदों में सर्वाधिक 22 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने 19 गेंदों में 20 रन बनाए। भारत की ओर से श्री चरणी और राधा यादव को दो-दो विकेट हाथ लगे, जबकि अमनजोत और और दीप्ति शर्मा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष

और सीईओ गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस के क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सीईओ और दो अन्य को जालसाजी, धोखाधड़ी और फंड्स के दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीआईडी ने गुरुवार को बताया कि उसने एचसीए अध्यक्ष ए. जगन मोहन राव, कोषाध्यक्ष सी.जे. श्रीनिवास राव, सीईओ सुनील कांते, श्री चक्र क्रिकेट क्लब के महासचिव राजेंद्र यादव और चक्र क्रिकेट क्लब की अध्यक्ष जी. कविता को गिरफ्तार किया है। सीआईडी की एडिशनल डीजीपी चारु सिन्हा के अनुसार, यह आरोपियों के जरिए धोखाधड़ी और फंड्स के दुरुपयोग के उद्देश्य से दस्तावेजों की जालसाजी और आपराधिक विश्वासघात का मामला है। तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन के धरम गुरुवा रेड्डी की शिकायत के आधार पर, सीआईडी ने 9 जून को विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया।



व्यापार/लाइफ व साइंस



सैंसेक्स 350 अंक तो निफ्टी में 100 अंक फिसला

एजेंसी। नई दिल्ली

हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन आज यानी गुरुवार, 10 जुलाई को सैंसेक्स 350 अंक गिरकर 83,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में 100 अंक से ज्यादा की गिरावट है, ये 25,360 पर कारोबार कर रहा है। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन 9 जुलाई को सैंसेक्स 176 अंक गिरकर 83,536 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 46 अंक की गिरावट है, ये 25,476 पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में होंगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉर्सी और चीन का शेंघाई एसएसई क्रमोच्चित फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की 225 नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार बीते दिनों सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेट कूड 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70.15 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 77 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।
आय सत्र की शुरुआत: भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) आज वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के आय सत्र की शुरुआत करने वाली है। आईटी क्षेत्र वर्तमान में कई चुनौतियों का सामना



कर रहा है, जिनमें कमजोर वैश्विक मांग, व्यापार तनाव को लेकर बढ़ती चिंताएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभाव को लेकर अनिश्चितता शामिल है। सत्र के दौरान निफ्टी आईटी सूचकांक में 1 प्रतिशत तक की गिरावट आई।
व्यापार समझौते को लेकर चिंताएं: भारत-अमेरिका व्यापार वातां को लेकर अनिश्चितता के बीच निवेशक सतर्क हैं। हालाँकि भारत का नाम अभी तक ट्रम्प प्रशासन द्वारा नए टैरिफ उपायों का सामना करने वाले देशों की सूची में नहीं है, लेकिन भविष्य में कार्वाई की संभावना ने धारणा को नियंत्रित रखा।
कमजोर वैश्विक संकेत: एशियाई शेयरों में

मिला-जुला कारोबार हुआ, जापान का निक्केई 225 सूचकांक 1 प्रतिशत तक गिर गया। अमेरिकी शेयर वायदा भी लाल निशान में रहे, जो वॉल स्ट्रीट की कमजोर शुरुआत का संकेत था।
फार्मा श्रेयों पर दबाव: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दवा उत्पादों पर संभावित 200 प्रतिशत टैरिफ लगाने के संकेत के बाद, जिसे एक साल की मोहलत के बाद लागू किया जाएगा, फार्मा शेयरों पर भी दबाव देखा गया। इस कदम से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएँ बाधित हो सकती हैं और भारत, जो अमेरिका को जेनैरिक दवाओं को निर्यात करता है, पर गहरा असर पड़ सकता है।

एफटीए से कृषि क्षेत्र की वृद्धि को मिला रहा बढ़ावा 25 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड बांटे गए : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) देशों और ब्रिटेन सहित विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के माध्यम से सहायक नीतियों, राजकोषीय प्रोत्साहनों, कम टैरिफ बाधाओं और नए बाजार तक पहुंच के जरिए कृषि क्षेत्र में प्रगति हुई है। 16वें एग्रीकल्चर लीडरशिप कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संतुलित उर्वरक इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए किसानों को 25 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड बांटे गए हैं और किसान क्रेडिट कार्ड पहले के माध्यम से फसल ऋण सुलभ कराए गए हैं। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कृषि क्षेत्र को अपने विकास एजेंडे में लगातार सबसे आगे रखा है। पीएम-किसान सम्मान निधि योजना से बड़ी संख्या में किसान परिवार लाभान्वित हुए हैं। इसके अतिरिक्त, 1,400 मंडियों को ई-नाम प्लेटफॉर्म के साथ इंटीग्रेट किया गया है, जिससे देश भर के किसानों को फसल की कीमतों की वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने और बाजार संपर्क बढ़ाने में मदद मिली है। केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित लोगों को बताया, “उर्वरक क्षेत्र में, सरकार ने किसानों को किफायती दामों पर उर्वरक उपलब्ध बनाने के लिए पर्याप्त सब्सिडी प्रदान की है। इसके अलावा, कोरोना महामारी के दौरान भी किसानों को समय पर उर्वरक की सप्लाई सुनिश्चित की गई।” उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार में उथल-पुथल और निर्यात में गिरावट के बावजूद, भारत के कृषि क्षेत्र ने शानदार मजबूती प्रदर्शित की है।

विवादों के बीच लांच हुआ एलन मस्क का ग्लोक 4

एजेंसी। नई दिल्ली

एलन मस्क की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) कंपनी एक्सएआई ने अपना नया और सबसे एडवांस AI चैटबॉट ग्लोक 4 लॉन्च कर दिया है। यह लॉन्च एक ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही ग्लोक को यहूदी-विरोधी और नस्लवादी टिप्पणियां करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद कंपनी ने ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट्स को हटा दिया था। ग्लोक 4 को X (पहले ट्विटर) पर एक लाइवस्ट्रीम के दौरान पेश किया गया, जिसमें एलन मस्क और xAI टीम के सदस्य मौजूद थे। मस्क ने लॉन्च के मौके पर कहा कि उनके पास ग्लोक का टेस्ट करने के लिए सवाल खत्म हो गए हैं, और ‘वास्तविकता ही अंतिम तर्क परीक्षा है।’ मस्क ने ग्लोक 4 की भविष्य की क्षमताओं के बारे में भी बड़े दावे किए हैं। उनका कहना है कि इस साल के अंत तक ग्लोक



नई टेक्नोलॉजी खोजनी शुरू कर सकता है, और अगले दो सालों में तो यह नई फिजिकस भी हूँह सकता है। उन्होंने अपनी पोस्ट को यह कहकर खत्म किया, ‘इसे समझ लीजिए।’
ग्लोक 4 कैसे मिलेगा ?
ग्लोक 4, X पर एक नए प्रीमियम सब्सक्रिप्शन का हिस्सा होगा। इसे \$300 प्रति माह के ‘ग्रे’ सब्सक्रिप्शन के तहत खरीदा जा सकता है। यह उन लोगों के लिए बनाया गया है जो एक ऐसा चैटबॉट चाहते हैं जो सिर्फ बेसिक सवालों के जवाब देने से कहीं आगे बढ़कर जटिल विषयों और विचारों को भी समझ और संभाल सके।

